परमहंस योगानंद के 125वें जयंती समारोह में बोले सीएम

'भारत ने दिखाई दुनिया को अध्यात्म की राह'

■ एनबीटी ब्यूरो, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि भारत ने दुनिया को अध्यात्म की राह दिखाई है। जब भी शांति व विश्व मानवता की राह की जरूरत पड़ी पश्चिम ने भारत की ओर ही देखा है। स्वामी योगानंद ने भी विश्व को भारतीय आध्यात्मिकता की इसी अनुभूति से परिचित कराया।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को पांच कालिदास मार्ग स्थित अपने आवास पर परमहंस योगानंद के 125वीं जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अयोध्या में 6 नवंबर को हुए दीपोत्सव कार्यक्रम की सोशल मीडिया पर 130 करोड़ लोगों तक पहुंच रही। इससे स्पष्ट है कि जब भी राजनीतिक सीमाओं से परे कोई कथा आम जनमानस से जुड़ती है तो उसका प्रभाव कितना व्यापक होता है। पहले जब टीवी पर रामायण आती थी तो सड़कों पर सन्नाटा हो जाता था। राम का जीवन सर्वस्वीकार्यता का जीवन है इसलिए यह जनमानस को प्रभावित करता है। योगी ने कहा कि स्वामी योगानंद का जन्म गोरखपुर में ही हुआ था और उनके ही समकालीन संत स्वामी प्रणवानंद भी बंगाल से गोरखपुर आए थे।

NBT

कार्यक्रम में लोगों ने ध्यान किया। सीएम ने योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ इंडिया के स्वामी ईश्वरानंद गिरि को सम्मानित भी किया।

कहा, 130 करोड़ लोगों तक रही सोशल मीडिया पर दीपोत्सव की पहुंच

स्वयं में परिवर्तन से ही बदलेगा समाज : भूपेंद्र यादव

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद भूपेंद्र यादव ने कहा कि स्वामी योगानंद का जन्म उसी वर्ष हुआ था जिस वर्ष स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में सर्व धर्म सम्मेलन में भारतीय आध्यात्म से विश्व को परिचित करवाया था। स्वामी योगानंद ने स्वामी विवेकानंद के आदर्शों व मूल्यों का पूरे विश्व में प्रसार किया। उन्होंने कहा कि योग दिवस जैसे आयोजनों से पीएम नरेंद्र मोदी ने भी भारत के सांस्कृतिक वैभव को वैश्विक पहचान दिलाई है। योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ इंडिया के स्वामी ईश्वरानंद गिरि ने सबको ध्यान का अभ्यास करवाया। कार्यक्रम में मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह, लविवि के कुलपति प्रो. एसपी सिंह, पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन सहित दूसरे गणमान्य लोग उपस्थित थे।